लक्ष्य 2019

प्री बोर्ड परीक्षा कोटा संभाग

समय:2.30 घण्टे कक्षा 8 हिंदी पूर्णांक: 80

निर्देश – सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक उनके सामने अंकि

सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए।

1. शुद्ध वर्तनी का शब्द है– 1

(अ) उज्वल (ब) उज्जवल (स) उजज्वल (द)अज्जवल

2. अनुचित शब्द का विलोम शब्द है– 1

(अ) ठीक (ब) सही (स) उचित (द)गलत

3. सुभागी कहानी के रचनाकार है– 1

(अ) प्रभुनारायण (ब) नरोत्तमदास

(स) शरद जोशी (द)प्रेमचन्द

4. 'भक्त पदावली' पाठ में 'नरहीर' शब्द का अर्थ है– 1

(अ) श्रेष्ठ नर (ब) श्रीकृष्ण (स) नृसिंह (द) हरि कृष्ण

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

5. महाराणा प्रताप को मातृभूमि का रखवाला क्यों बताया गया ?

6. लेखिका ने डॉ. चन्द्रा को सबसे पहले कहाँ देखा था ?

7. राजकुमारी की तुलना किससे की गई है ?

8. खेतों में इलमी लगने का क्या कारण बताया गया है ?

9. द्रौपदी की लाज किसने बचायी थी ?

10. शक्तिशाली की क्या विशेषता है ?

11. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग किजिए।

(अ) आँखों से ओझल होना (ब) अन्तिम सांसे गिनना।

12. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग छाँटकर लिखिए–

अनाचार, उपदेश, प्रतिध्वनि, कुपात्र

13. मानव में 'ईय' प्रत्यय जोड़ने पर मानवीय बना। इसी प्रकार 'ईय' प्र

प्र.14 दी गई क्रियाओं से वाक्य का निर्माण कीजिए। 2

धोना, पीना

लघुरात्मक प्रश्नः-

निम्नलिखित शब्दों के समझ लिखे शब्दों में से पर्यायवाची शब्दों को छांटकर लिखिए। 5

पक्षी- सुत, पखेरू, पट, नभ

अमृत-पीयूष, मयूरण

आँख-चक्षु, रक्षु, भक्षु, लक्ष्य

कपड़ा-समन, भव, वासर, वसन

गंगा-सुरसीर, आपगा, अभिय, नदीश।

प्र.15 आपके पड़ोस में वृक्ष-कटाई हो रही है। आप उसे रोकने के लिए उन्हें किस प्रकार समझायेंगे। 4

प्र.16 सुभाषचन्द्र बोस का पत्र के आधार पर आज बदले समय में विचारों के आदान-प्रदान करने के अनेक सशक्त माध्यम उपलब्ध है। फिर भी पत्र का अपना महत्व है। इस सम्बन्ध में आना मत किजिए।

प्र.17 सड़क दुर्घअना के प्रमुख कारण क्या है ? 4

प्र.18 निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।6

माँ तुम्हारा ऋण बहुत है,में आकिंचन,
किंतु इतना कर रहाँ फिर भी निवेदन,
थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब भी,
कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण,
मन समर्पित प्राण अर्पित
रक्त का कण-कण समर्पित
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।।

अथवा

बिना बिचारे जो करे, सो पाऐ पछताए।
खान-पान-सम्मान, राग-रंग मनहिं न भावे।।
कह गिरधर कविराय, दुख कु टरत न हारे।
खटकत है जिय महिं, करै जो बिना बिचारे।

प्र.19 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिजिए। 8

मैं कूड़ा-कचरा तलाश नहीं करती हूँ। ये लोग ही मेरे रास्ते में डाल देते है। मेरी राह में पुष्प होंगे तो मेरे साथ सुगंध उडेगी होती तो बदबू। ये लोग अपने घर-दुकान की सफाई कर कूड़ा सड़क पर डाल देते है। मेर साथ उड़कर कूड़ा वापस इनके घरों में चला जाता है। पॉलीथीन उड़कर खेतों में चली जाती है।

(अ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(ब) सुगन्ध और बदबू होने के क्या कारण है ? बताइये।

(स) सड़क का कूड़ा वापस कहा चला जात है ?

(द) खेतों को नुकसान कौन पहुचांता है ?

प्र.20 अपने आपको उदयपुर निवासी विनोद मानते हुए अपने अजमेर निवासी मित्र नरेश को ग्रीष्मवकाश में आने के लिए एक पत्र लिखिए। 6

अथवा

आप अपने आपको कक्षा-8 का विद्यार्थी मानकर शैक्षिक भ्रमण पर जाने हेतु आपके विद्यालय के प्रधानाध्यापकजी से अनुमति प्राप्त करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

प्र.21 निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए- 8

(अ) हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव

(ब) दूरदर्शन से लाभ हानि

(स) साक्षरता अभियान

(द) मेरे आदरणीय गुरूजी

प्री बोर्ड परीक्षा कोटा संभाग

लक्ष्य 2019

# कक्षा–X

## विषय– अनिवार्यहिन्दी

समयः 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांकः80 अंक

### खंड–1

प्र. 1–4 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिएः–

भारतवर्ष पर प्रकृति की विशेष कृपा रही हैं। यहाँ सभी ऋतुएँ अपने समय पर आती हैं और पर्याप्त काल तक ठहरती हैं। ऋतुएँ अपने अनुकूल फल–फूलों का सृजन करती हैं। धूप और वर्षा के समान अधिकार के कारण यह भूमि शस्यश्यामला हो जाती है। यहाँ का नगाधिराज हिमालय कवियों को सदा से प्रेरणा देता आ रहा हैं और यहाँ की नदियाँ मोक्षदायिनी समझी जाती रही है। यहाँ की कृत्रिम धूप और रोशनी की आवश्यकता यही पड़ती। भारतीय मनीषी जंगल में रहना पसन्द करते थे। प्रकृति–प्रेम के ही कारण यहाँ के लोग पत्तों में खाना पसन्द करते हैं। वृक्षों में पानी देना एक धार्मिक कार्य समझते हैं। सूर्य और चन्द्र दर्शन नित्य और नैमित्तिक कार्यों में शुभ माना जाता है।

परिवारिकता पर हमारी संस्कृति में विशेष बल दिया गया हैं। भारतीय संस्कृति में शोक की अपेक्षा आनन्द को अधिक महत्व दिया गया है। इसलिए हमारे यहाँ शोकान्त नाटकों का निषेध हैं। अतिथि को भी देवता माना गया हैं–
'अतिथि देवो भव'

प्र. 1 उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए? (1)
प्र. 2 भारतवर्ष की भूमि शस्यश्यामला कैसे हैं? (1)
प्र. 3 भारत में आतिथ्य एवं अतिथि का क्या स्थान हैं? (1)
प्र. 4 भारतीय प्रकृति–प्रेम किस प्रकार प्रकट करते हैं? (1)

प्र. 5–7 निम्नलिखति पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिएः–

जन्म दिया माता–सा जिसने, किया सदा लालन–पालन,
जिसके मिट्टी–जल से ही हैरचा गया हम सब कातन।
गिरिवर नित खा करते हैं, उच्च उठा के श्रृंग महान,
जिसके लता दुमादिक करते हमको अपनी छाया दान।
माता केवल बाल–काल में निज अंक में धरती हैं,
हम अशक्त जब तलक तभी तक पालन पोषण करती हैं।
मातृभूमि करती है सबका लालन सदा मृत्यु पर्यंत,

जिसके दया–प्रवाहों का होता न कभी सपनें में अंत।
मर जाने पर कण देहों के इसमें ही मिल जाते हैं,
हिंदू जलते, यवन–इसाई शरण इसी में पाते हैं।
ऐसी मातृभूमि मेरी हैं स्वप्नलोक से भी प्यारी
डसके चरण–कमल पर मेरा तन, मन–धन सब बलियारी।।

प्र. 5 उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)
प्र. 6 मृत्यु के उपरान्त भी मातृभूमि का मनुष्य के लिए क्या महत्व हैं? (1)
प्र. 7 'जिसके मिट्टी–जल से ही हैं रचा गया हम सबका तन' का आशय स्पष्ट कीजिए? (2)

## खंड–2

प्रश्न–8. दिये गये बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए– (8)

(क) कैशलेस अर्थव्यवस्थाः चुनौती पूर्ण कदम
(1) प्रस्तावना (2) कैशलेस अर्थव्यवस्था के लाभ
(3) कैशलेस अर्थव्यवस्था की चुनौतियाँ (4) उपसंहार

(ख) बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओ
(1) प्रस्तावना (2) वर्तमान समाज की बदली मानसिकता
(3) लिंगानुपात का बढ़ता अन्तर (4) उपसंहार

(ग) बढ़ती मंहगाईः एक ज्वलन्त समस्या
(1) प्रस्तावना (2) मूल वृद्धि की स्थिति एवं कारण
(3) महंगाई पर नियंत्रण के उपाय (4) उपसंहार

(घ) युवा वर्ग में असंतोष : कारण और निवारण–
(1) प्रस्तावना (2) युवा वर्ग में बढ़ते समय असंतोष के कारण
(3) युवा असंतोष को दूर करने के उपाय (4) उपसंहार

प्रश्न–9. राजकीय उ.मात्र विद्यालय कोटा के छात्र अरविन्द की ओर से वहाँ के नगर दण्डनायक को पत्र लिखिए, जिसमें परीक्षा के दिनों में ध्वनि विस्तारक यन्त्रों पर रोक लगाने की प्रार्थना की गई हो। (4)

अथवा

स्वयं को बाँरा निवासी सुरेन्द्र मानते हुए मतदाता–सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए निर्वाचन अधिकारी को आवेदन कीजिए।

## खंड–3

प्रश्न–10. 'मोहन धार्मिक पुस्तकें पढ़ता है।' वाक्य में क्रिया का नामोल्लेख करते हुए परिभाषा दीजिए? (2)

प्रश्न–11. 'बच्चों के साथ हमीद भी जा रहा था' उपर्युक्त वाक्य में कारक चिह्न छांटकर लिखो? (2)

प्रश्न–12. 'पीताम्बर' का समास–विग्रह कर समास नाम लिखो? (2)

प्रश्न–13. 'कुत्ते की मौत मरना' मुहावरें का वाक्य में प्रयोग कीजिए? (3)

प्रश्न–14. 'एक तो करेला ऊपर से नीम चढ़ा' लोकोक्ति का वाक्य में प्रयोग कीजिए? (3)

प्रश्न–15. निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिएः– (6)

'तुम्हारा स्मित हो जिसे निरखना, तो देख सकता है चन्द्रिका को।
तुम्हारे हँसने की धुन में नदियाँ निनाद करती ही जा रही है।
विशाल मन्दिर की यामिनी में, जिसे देखना हो दीपमाला।
तो तारकागण की ज्योति उसका, पता अनुठा बता रही हैं।'

अथवा

'पापनि नुपुरमंजु, बजै, कटि–किंकिनि में धुनि की मधुराई
साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बन–माल सुहाई।
माये किरीट, बड़े दुग चंचल, मंद हँसी मुख चंद जुन्हाई,
जै जग–मन्दिर दीपक सुंदर, श्री ब्रज–दुल्ह देव–सुहाई।।

प्रश्न–16. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिएः–? (6)

स्वामी विवेकानन्द ने 'राम' नाम सुमिरन की आज्ञा देकर कहा– 'राम नाम का आँचल मत छोड़ना।' 'राम' नाम ही सर्वोपरि हैं। पीपा की सोयी हुई आत्मा जाग उठी। रामांनद जी से दीक्षा लेकर वे उनके शिष्य बन गए। पूर्व उपदेश प्राप्त कर वे गागरौन वापस लौट आए। यहाँ आकर उनकी दिनचर्या ही परिवर्तित हो गई। दिन–रात हरि सुमिरन में समय व्यतीत होने लगा।

अथवा

स्त्रियों का किया हुआ अनर्थ यदि पढ़ाने का परिणाम है तो पुरूषों का किया हुआ अनर्थ भी उनकी विद्या और शिक्षाशिका का परिणाम समझना चाहिए। बम के गोले फेंकना नर–हत्या करना, डाके डालना, चोरियाँ करना, घूस लेना – ये सब यदि पढ़ने–लिखने की का परिणाम हो तो सारे कॉलेज, स्कूल और पाठशालाएँ बन्द हो जानी चाहिए। परन्तु विक्षिप्तों, बात व्यथितों, और ग्रहग्रहतों के सिवा ऐसी दलीलें पेश करने वाले बहुत ही कम मिलेगें।

प्रश्न–17. लक्ष्मण–परशुराम संवाद की भाषा शैली की विशेषताएँ बताइए? (6)

(उत्तर सीमा 200 शब्द)

अथवा

'अभी न होगा मेरा अंत' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न–18. 'स्त्री शिक्षा समाज के पतन का कारण नहीं वरन् समाज के विकास की सीढ़ी हैं।' इस कथन के आलोक में स्त्री शिक्षा पर अपने विचार लिखिए? (6)

(उत्तर सीमा 200 शब्द)

अथवा

लोक संत पीपा ने निर्गुण भक्ति काव्यधारा में किस प्रकार योगदान दिया हैं? लिखिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40 से 50 शब्दों में दीजिए:

प्रश्न–19. 'मातृभूमि के दीवाने तन का जीवन जीते है' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए? (2)

प्रश्न–20. 'प्रभो' कविता में कवि प्रसाद ने ईश्वर को अनादि क्यों कहाँ हैं? (2)

प्रश्न–21. लेखक ने देवालय बनाने का विचार क्यों त्याग दिया? (2)

प्रश्न–22. शिव– धनुष भंग होने पर परशुराम क्यों कुपित हो रहे थें? (2)

प्रश्न–23. वर्षा ऋतु के आगमन से प्रकृति में कौन–कौन से बदलाव आए हैं? (2)

प्रश्न–24. 'तजि अंगार आघात' से क्या तात्पर्य हैं? (2)

प्रश्न–25. निबल अनल से क्या तात्पर्य हैं? (1)

प्रश्न–26. गोपियों को भ्रमर के रूप में कौनसा दूत मिला? (1)

प्रश्न–27. दादू के गुरू का नाम क्या था? (1)

प्रश्न–28. सागरमल गोपा द्वारा रचित पुस्तकें कौनसी हैं? (1)

प्रश्न–29. निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त में परिचय कीजिए (4)
(1) जयशंकर प्रसाद (2) महादेवी वर्मा

प्रश्न–30. निम्नलिखित यातायात संकेतों का क्या अर्थ होता हैं? (4)
(1) (2) (3) (4)

"लक्ष्य - 2019"
प्री बोर्ड परीक्षा, कोटा संभाग

कक्षा – XII
विषय :– अनिवार्य हिन्दी पूर्णांक–80

खण्ड–क 8अंक

प्रश्न– 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः–

समय वह सम्पत्ति है, जो प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर की ओर से मिली है। जो लोग इस धन को संचित रीति से बरतते हैं वे शारीरिक सुख तथा आत्मिक आनंद प्राप्त करते है। इसी समय रूपी सम्पत्ति के सदुपयोग से एक जंगली मनुष्य देवता–स्वरूप बन जाता है। इसी के द्वारा मूर्ख विद्वान, निर्धन धनवान और अनुभवी बन सकता है। संतोष हर्ष या सुख तब तक मनुष्य को प्राप्त नहीं होता जब तक कि वह सही तरीके से समय का उपयोग नहीं करता है। समय निस्संदेह एक रत्न–राशि है। जो कोई उसे अपरिमित और अगणित रूप से अन्धा –धुन्ध व्यय करता है, वह दिन–दिन अंकिचन, रिक्त हस्त व दरिद्र होता है। वह आजीवन खिन्न और समय को कोसता रहता है सच तो यह है कि समय का सदुपयोग करना आत्मोन्नति तथा उसे नष्ट करना एक प्रकार की आत्महत्या है।

प्र. (अ) समय का सदुपयोग करने से क्या लाभ होता है? समझाइये। (2)
प्र. (ब) मनुष्य को संतोष, हर्ष या सुख कब तक प्राप्त नहीं होता? (2)

प्रश्न– 2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः–

स्वातंत्र्य जाति की लगन, व्यक्ति की धुन है, बाहरी वस्तु यह नहीं भीतरी गुण है। नत हुए बिना जो अशानि–घात सहती है, स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है। वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे! जो पड़े आन, खुद ही सब आग सहोरे! आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती हैं, छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती है। शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है, वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है। पकड़ो अयाल, अन्धड़ पर उछल चढ़ोरे! किरिचो पर अपने तन का चाम मढ़ोरे!

प्र. (अ) स्वातंत्र्य को व्यक्ति का भीतरी गुण क्यों कहा गया है? (2)
प्र. (ब) "किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे!" का भावार्थ लिखिए। (2)

खण्ड–ख 16अंक

प्रश्न– 3. निम्नाकिंत प्रश्नों के उत्तर एक से दो पंक्तियों में दीजिएः–
(अ) हिन्दी भाषा की विभिन्न बोलियाँ कौन–कौन सी है? नाम लिखिए।
(ब) व्याकरण किसे कहते हैं? उसके अंगों के नाम लिखिए।

प्रश्न– 4. रेखाकिंत शब्दों का पद परिचय दीजिएः–
(अ) शिवांशी बनारसी साड़ी पहनती है।
(ब) शानवी आठवीं में पढ़ती है।

प्रश्न– 5. " बाजार में एक जादू है, जो आँख की राह काम करता है।" उपर्युक्त वाक्य में कौन–सी शब्द शक्ति है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न– 6. " अवधेस के बालक चारि सदा। 'तुलसी' मन–मंदिर में विहरैं।।" उपर्युक्त वाक्य में कौन–सी शब्द शक्ति है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न– 7. निम्नांकित शब्दों का हिन्दी में अर्थ लिखिएः–

(अ) COPYRIGHT

(ब) AUDIT

प्रश्न– 8. अधिशासी अभियन्ता, जयपुर विद्युत परियोजना की ओर से मुहरबंद निविदाएँ आमन्त्रित करने का निविदा–सूचना पत्र लिखिए?

प्रश्न– 9. निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों मे सारगर्भित निबन्ध लिखिएः–

(क) संचार क्रांति और समाज

(ख) भारत में लोकतंत्र–मेरी दृष्टि में

(ग) शिक्षित नारीः सुख समृद्धिकारी

(घ) राजस्थान में बढ़ता जल संकट

## खण्ड–ग 32अंक

प्रश्न– 10. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः–

(उत्तर सीमा– लगभग 80 शब्द)

निर्गुन कौन देस को बासी?
मधुकर! हँसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच, न हाँसी।।
को जनक, जननि को कहियत, कौन नारि, को दासी?
कैसो बरन, भेस है कैसो, केहि रस में अभिलासी।।

अथवा

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने,
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर, इस घर, उस घर
बिना मुरझाँए महकने के माने
फूल क्या जाने?

प्रश्न– 11. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः–

(उत्तर सीमा– लगभग 80 शब्द)

हम पशु हैं आपकी राय में? वाह साहब, आप हमें पशु बता रहे हैं, पर भाई, यह तो बताओं कि तुम्हें हमारी पूँछ और सींग किधर दिखाई दिए हैं?

पूँछ और सींग! पशु बनने के लिए पूँछ और सींग की जरूरत नहीं पड़ती। बात यह है कि पशुता और मनुष्यता दो भाव हैं। जो पहले सोचे और फिर चले, वह मनुष्य और सोचे कुछ नहीं, बस जिधर हवा ले जाए, चला चले वह पशु – अब आई तुम्हारी समझ में मेरी बात?

अथवा

'सार्वजनिक अन्तरात्मा' उस अन्तरात्मा को कह सकते हैं , जो कि हर अन्याय को देखकर विचलित हो उठती है। वह इस बात की परवाह नहीं करती की उस अन्याय का शिकार किसे होना पड़ रहा है? इसका मतलब हुआ कि चाहे उसे व्यक्तिगत रूप से उस 'अन्याय' से कष्ट होता हो या न होता हो, जो कोई भी उस 'अन्याय' से कष्ट होता हो या न होता हो, जो कोई भी उस 'अन्याय' का भाजन हो उसे उस 'अन्याय' से मुक्ति दिलाने के लिए उसके कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हो जाती है।

प्रश्न– 12. लेखक के द्वारा कहानी की नायिका ममता की मनोव्यथा का यथार्थ अंकन किया है, स्पष्ट कीजिए।

अथवा

" भय का फल भय के संचार काल तक ही रहता है।" इस कथन को उदाहरण सहित समझाइये।

प्रश्न– 13. गो. तुलसीदास ने परमार्थ और सुसंग को लेकर क्या विचार व्यक्त किये है?

अथवा

भूषण की काव्य रचनाएँ सिद्ध करती है, कि वे अपने युग के राष्ट्रीय कवि थे। कथन की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न– 14. को छूट्यौ रह जाल परि, कत कुरंग अकुलात।
ज्यौं–ज्यौं सुरभि भज्यौ चहत, त्यौं–त्यौं उरझत जात ।।
प्रस्तुत दोहे के माध्यम से कविबिहारी क्या संदेश दे रहे हैं?

प्रश्न– 15. कवि रहीम ने सज्जनों की क्या विशेषता बतायी हैं?

प्रश्न– 16. कौसानी के प्राकृतिक सौंदर्य को लेकर लेखक ने क्या सुना था?

प्रश्न– 17. प्रजातन्त्र में विपक्ष का क्या महत्व हैं?

प्रश्न– 18. "मेरी आँखों के सामने ब्रह्मानंद का समां बाँध दिया।" लेखक पूर्णसिंह को ब्रह्मानंद की अनुभूति किस कारण हुई?

प्रश्न– 19. कवि हरिवंशराय बच्चन अथवा साहित्यकार जैनेन्द्र का साहित्यिक परिचय दीजिए।

प्रश्न– 20. 'दिल में एक चुभन–सी थी, यह दुनिया अलबेली थी" कवयित्री ने कौन–सी दुनिया को अलबेली बताया है?

## खण्ड–ग 12अंक

प्रश्न– 21. " उसने कहा था " कहानी प्रेम की नई परिभाषा गढ़ते हुए उसे सर्वोच्च स्थान पर पहुँचाती हैं। स्पष्ट कीजिए

अथवा

गाँधीजी के अनुसार आत्मिक शिक्षा का क्या अर्थ है? और वह विद्यार्थियों को किस प्रकार दी जा सक़ती हैं?

प्रश्न– 22. निम्न प्रश्नों में से किन्ही तीन का उत्तर दीजिएः–

(अ) गौरा को मृत्यु से बचाने के लिए लेखिका ने क्या–क्या प्रयास किए?
(ब) रत्नावली ने अंतिम भिक्षा में तुलसीदास से क्या मांगा था?
(स) 'विजयस्तम्भ को देखकर लेखक को हर्ष क्यों हुआ?
(द) 'मेरे जीवन का उद्येश्य पूरा हो गया है।" ये वाक्य किसने कहे और उसके बाद उन्होंने क्या किया?

## खण्ड–ड 12अंक

प्रश्न– 23. फीचर लिखते समय किन बातों का ध्यान रखा जाता है?

प्रश्न– 24. प्रिंट मीडिया या मुद्रित माध्यम के साक्षात्कार की भाषा–शैली कैसी होती है? बताइए।

प्रश्न– 25. खेल समाचार के रिपोर्टरों से क्या अपेक्षा की जाती है?

प्रश्न– 26. रिपोर्ताज– लेखन में रांगेय राघव का अवदान बताइये।

प्रश्न– 27. समाचार लेखन के छह ककारों का उपयोग बताइये?

# लक्ष्य 2019
# प्री बोर्ड परीक्षा कोटा संभाग

कक्षा–8
तृतीय भाषा– संस्कृतम्

समयः– 2:30 होरा

पूर्णांकः– 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्य निर्देशाः

(1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथम स्वप्रश्नपत्रोपरि नामांकाः अनिवार्यत : लेखनीया :

(परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र नामांक अनिवार्य रूप से लिखो)

(2) सर्व प्रश्ना : अनिवार्याः (सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है।)

(3) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां भागानां उत्तराणि एकत्र एंव लेखनीयाः (एक प्रश्न के सभी प्रश्नों का उत्तर साथ ही लिखे।

(4) सर्वे प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि। (सभी प्रश्नों के उत्तर दी गई पुस्तिका में ही लिखे।)

(5) प्रश्न क्रमांक एकतः अष्टंयावत् सूची निर्माणं कृत्वा एकत्र स्वलेखनीयाः (प्रश्न संख्या 1 से 8 तक सारणी बनाकर एक साथ लिखे)

1. "गृहीत ..... केशुषु मृत्युना धर्ममाचरेत। " रिक्तस्थाने उचित अव्ययं प्रयोग कुरूत –
   (क) खलु (ख) इव (ग) सह (घ) च ( )
2. "प्रासादं गत्वा महाराज्ञीं कथय "रेखाङ्कित पदे प्रत्ययास्ति –

   (क) तव्यत् (ख) अनीयर् (ग) क्त्वा (घ) क्त ( )

3. "अहं वृक्षम् आरोहमि" अस्मिन् वाक्ये सर्वनामपदं किम अस्ति ?

   (क) वृक्षम् (ख) आरोहामि(ग) अहं (घ) अपि ( )

4. अथोलिखितेपु पदेषु " परि " उपसर्गयुक्तं पदमस्ति –

   (क) प्रकाशम् (ख) परामव (ग) प्रत्यावर्तन (घ) परिभ्रमणम् ( )

5. क्रोद्यात् किं भवति ?

   (क) स्मृति विभ्रमः (ख) बुद्धिनाशः (ग) सम्मोहः (घ) प्रणश्यति ( )

6. कुँवरप्रताप : किं याचते ?

   (क) आसन्दम्(ख) असिम् (ग) भुशुण्डीम् (घ) विजयम् ( )

7. " सूर्यो न तु तारा " पाठस्य क्रमः अस्ति ?

   (क) एकादशः (ख) त्रयोदशः (ग) द्वादशः (घ) पंचमः ( )

8. 'ध्येय वाक्यानि " पाठे आगतं ध्येय वाक्यं पूरयत – " आदित्यात् ..... वृष्टि ?

(क) सद्गमय (ख) खलु (ग) जायते (घ)अमृतम् ( )

9. निर्देशानुसारं क्रियापदं लिखत

(क) भू धातो : लटकार : प्रथमपुरुष : एकवचनम्(ख) सेव्धातो : लोटलकार मध्यपुरुष बहुवचनम्

10. (i) सन्धि विच्छेदं कुरुत – कर्मण्येव ..... + .....

(ii) सन्धिं कुरुत – पद्म + आसना = .....

11. " परित : सह "पदयो : प्रयोगेन एकैकं वाक्यं लिखत।

12. " नीलम् उत्पलम् " रेखाङ्कितपदयो : विशेषण विशेष्य पदं पृथक् कुरुत।

13. उदाहरणानुरूपं क्रमवाची संख्या लिखत –

पचीसवाँ छात्र – पञ्विंश छात्रः

(क) चालीसवाँ छात्र– .....।

(ख) बासठवाँ छात्र – .....।

14. रेखाङ्कितपदानां स्थाने कोष्ठके लिखतान् पदान् चित्वा प्रश्ननिर्माण कुरुत –

(क) आत्मन : प्रतिकूलानि **परेषां** समाचरेत् (केषाम्/कः)

(ख) ते अधिकार : अस्ति **कर्मणि** (कस्मिन् /किम )

15. कोष्ठके दत्तान् संज्ञा पदान् चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–

(क) अस्माकं विद्यालये ..... निर्माणम् अभवत् (शौचालयानां/शौचालयाः)

(ख) .....परमधाग्नि भूरिश्रृङ्गाः धेनवः न्यवसन् (विष्णुम्/विष्णोः)

(ग) एकतः .....प्रति अनुरक्तिः। (राज्ञी/राज्ञीं )

(घ) पृथ्वी ..... परिकमां करोति (सूर्यस्य/सूर्याय)

16. अद्योलिखित प्रश्नानामुत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखत–

(क) मित्रं कस्मात् निवारयति ?

(ख) शल्य क्रियायाः जनकः कः ?

(ग) मौनं कीदृशं तपः उच्यते ?

(घ) एकस्मिन् वर्षे कति ऋतवः भवन्ति ?

17. अद्योलिखिताना प्रश्नानामुत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखत–

(क) चन्द्रगुप्तस्य मन्त्री कः आसीत् ?
(ख) पञ्चगव्यस्य नामानि लिखत ?
(ग) परिवारे किं न शोभते ?
(घ) "भवान् तस्य सचिवः आसीत्" इति कः कंप्रति कथयति ?

18. अधोलिखित पदान् चित्वा पद्यस्य (श्लोकस्य) पूर्ति कुरुत–
( सविता , च , रक्तः , पिता , माता , पार्वती , शिवा )
इदेति सविता ..... रक्तमेवास्तमेति..... ।
धेनुः ..... परम ..... ।

19. पर्यायवाची शब्दानां सुमेलनं कुरुत–

| (क) | (ख) |
|---|---|
| (क) पिता | वृक्षः पादपः |
| (ख) सविता | चपला , रमा |
| (ग) लक्ष्मीः | जनकः , तात् |
| (घ) तरूः | प्रभाकरः , आदित्यः |

20. चित्र दृष्टवा चत्वार वाक्यानि रचयत–
(विद्यालयस्य समीपे, वृक्षाः, खगाः, पुष्पाणि, भ्रमणाय)
1. .....
2. .....
3. .....
4. .....

अथवा
मञ्जूषायां लिखितानां शब्दानां सहाय्येन कथां लिखत–

| काकः , जलार्थं, उपरि, घटं , स्वल्पम् , तृषितः , पिबति |
|---|

1. एक ..... अस्ति।
2. सः बहु .....सः ..... भ्रमति।
3. तत्र सः एकं ..... पश्यति।
4. किन्तु घटे ..... एव जलमस्ति।
5. जलम् ..... आगच्छति।
6. काकः सन्तोषेण जलं ..... ततः गच्छति।

21. अधोलिखितानाम वाक्यानां कमायोजनं कुरुत–
(1) एकदा महाराजः निद्रां कुर्वन् आसीत्। (2) कश्चित् महाराजस्य राभवने एकः वानरः सेवकः आसीत्।
(3 ) वानरः कुपितःसन् खड्गेन मक्षिकायाः उपरि प्रहारं कृतवान्।
(4) मूर्खेण वानरेण महाराजः मारितः।
(5)तदा महाराजस्य नासिकायाम् एका मक्षिका उपविष्टा।

22. अद्योलिखितस्य पद्यस्य हिन्द्यां भाषायाम् भावार्थः लेख्यः।

पापान्निवारयति योजयते हिताय , गुह्यं निगूहति गुणान् प्रकटीकरोति।
आपद्गतं च न जहाति ददाति काले , सन्मित्रलक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्तः।

अथवा

परित्राणाय साधूनां , विनाशाय च दुष्कृताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय , सम्भवामि युगे युगे।।

23. "यौतकं पातकं" अथवा "संहतिः श्रेयसी पुंसाम् "पाठस्य सारं हिन्दी भाषायां लिखत।

24. निर्देशानुसारं पदानि स्वीकृत्य "संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्" विषये निबन्धं लेखनं कुरुत–
(अस्माकं , प्राचीनतमा भाषा , प्राचीनकाले , भारतीयाः , व्यवहारं , विविद्याः , किन्तु एकतायाः आधारः , समानरूपेण , वैज्ञानिकम् , मथुरा )

अथवा

रिक्तस्थानानि पूरयित्वा अध्ययने परिश्रमं हेतु अनुजाय पत्रं लिखत।

| |
|---|
| शुमेच्छुः , जीवनम्ः , अशोभनम् , अध्ययने , जीवनस्य , क्रीडने , चिरञ्जीव , स्वपत्रेण , आत्मनेः बून्दीनगरे |

जयपुरतः

प्रिय विनोदः

दिनांक 29.01.2019

अत्र कुशलं तत्रास्तु।

.....

आवयोः माता ..... सूचयति यत्तव मनः ..... पूर्ववत् न रमते।
प्रायेण ..... एवं संलग्नः तिष्ठसित्वम। इदं तु महत् ..... अस्ति।
अयं ते ..... निर्माणकालः, अतः कथक्शिदीप..... लक्ष्यात् न विस्तव्यम्।
अध्ययनमेव तव ..... उन्नेध्यति।

पि. केशवः

..... ( अजमेर )

दिवाकरः शर्मा

25. अद्योलिखित गद्यांशं पढित्वा प्रश्नानामुत्तराणि लिखत–

कस्मिंश्चिन्नगरे एकं महत्मन्दिरम् आसीत्।तत्र एको महात्मा निवसतिस्म। सः तत्र वेदशास्त्राभ्यासम् अकरोत्। लोकानां कल्याणायशास्त्रकथाश्चाश्रावयत्। तत्र अनेकमहिलापुरूषाः कथां श्रोतुं सङ्घीभूय प्रतिदिनं प्रयान्तिस्म। देव प्रतिमां च पूजयन्ति स्म।

प्रश्नाः

1. उपर्युक्त गद्यांशस्य उचितं शीर्षकं लिखत ?
2. मन्दिरं कुत्र आसीत् ?
3. मन्दिरे कः निवसति स्म ?
4. महात्मा सदैव किं करोति स्म ?
5. "प्रतिदिनं" पदे कः समास ?
6. पूजयन्ति पदे कः लकारः ?

लक्ष्य 2019
प्री बोर्ड परीक्षा कोटा संभाग
विषय–संस्कृत
कक्षा–10

समय–3.15 घण्टे

पूर्णांकाः–80

1.अधोलिखितस्य पाठ्यपुस्तकात् पठितगद्यांशस्य सप्रसंग हिन्दी भाषायाम् अनुवादं लिखत– 5

प्रतापस्य राज्यकाले अकबर इति नामकः मुगलशासकः आसीत्। अकबरस्य सेनया सह प्रतापस्य अनेकवारं युद्वम् अभवत्। मुख्ययुद्धं हल्दीघाटस्थाने अभवत्, अतएव एतत् हल्दीघाटीयुद्धम् इति नाम्ना प्रसिद्धमस्ति। अस्मिन् युद्धे प्रतापस्य चेतक इति नामकम् अश्वम् आरुह्य बहुशौर्यं प्रदर्शितवान्। प्रतापस्य सेना पर्वतीययुद्धेषु कुशला आसीत्। अतएव मुगलसेनायाः अतिक्षतिः जाता। मुगलसेना स्थानीयजनानां विरोधकारणेन परावर्तिता।

अथवा

स्वामिनो जीवनं सर्वपन्थसद्भावस्य निदर्शनमस्ति। अयं हि जाट–जातौ जातः परं सिक्खगुरोः नानकदेवस्य पुत्रेण श्रीचन्देन प्रवर्तिते उदासी–सम्प्रदाये दीक्षितः। गुरुग्रन्थस्योत्तमः पाठी अभूत्। एकादशवार्षिकसाधनया 700 पृष्ठात्मकस्य सिक्खेतिहासस्य लेखनं कारितवान्। विभाजनकालीने हिंसाचारे क्षतानां मुस्लिमबन्धूनां चिकित्सा कारिता। सिक्ख–विश्नोई–नामधारी–दशनामी–आर्यसमाजी–जैनाद्याचार्याणां सम्माने कार्यक्रमाः आयोजिताः।

2.अधोलिखितस्य पाठ्यपुस्तकात् पठितपद्यांशस्य सप्रसंग हिन्दी भाषायाम् अनुवादं लिखत– 5

अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते।
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।।

अथवा

यथा खनन् खनित्रेण नरो वार्यधिगच्छति।
तथा गुरुगतां विद्यां शुश्रूषुरधिगच्छति।।

3.अधोलिखितस्य पाठ्यपुस्तकात् पठितपद्यांशस्य सप्रसंग संस्कृतभाषायां व्याख्या कार्या– 4

पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम्।
मूढैः पाषाण–खण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते।।

अथवा

हिमालयात् समारभ्य यावदिन्दुसरोवरम्।
तं देवनिर्मितं देशं हिन्दुस्थानं प्रचक्षते।।

4. अधोलिखितस्य पाठ्यपुस्तकात् नाट्यांशस्य सप्रसंग संस्कृतभाषायां व्याख्या कार्या– 3

बालः–जृम्भस्व सिंह! दन्तांस्ते गणयिष्ये।

प्रथमा–अविनीतं किं नोऽपत्यनिर्विशेषाणि सत्त्वानि विप्रकरोषि? हन्त, वर्धते ते संरम्भः। स्थाने खलु ऋषिजनेन सर्वदमन इति कृतनामधेयोऽसि।

द्वितीया–एषा खलु केसरिणी त्वां लंघयिष्यतियदि तस्याः पुत्रकं न मुंचसि।

अथवा

प्रथमः भिल्लः–हा भगवन्! अद्य कीदृशः समयः आगतः? प्रतापः अपि स्वदेशं परित्यज्य अन्यत्र प्रस्थितः अस्ति।

द्वितीयः भिल्लः–न जाने अस्य मेवाडदेशस्य भाग्ये किं लिखितम् अस्ति। हे दीनदयालो! परमेश्वर!! त्वम् अपि अद्य इयान् निष्ठुराः कथं जातः।
तृतीयः भिल्लः–हा धिक्! वराकस्य समीपे न जीवनसाग्री न च युद्धसामग्री एव विद्यते। मातृभूमेः दुर्दशां स्वचक्षुषा मिथं द्रक्ष्यामः?

5.अधोलिखितेषु अष्टसु केषांचन षट् प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेन लिखत– 1/2X6=3

i.वंशभास्कर इति ख्यातस्य ग्रन्थस्य रचनाकारोऽस्ति?
ii.भामाशाहः कः आसीत्?
iii.मूढैः कुत्र रत्नसंज्ञा विधीयते?
iv.स्वामिकेशवानन्दस्य जन्म कदा अभवत्?
v.अस्माभिः कुत्र संचरणीयम्?
vi.कः कपोतराजः?
vii.विद्यायाः प्रकारद्वयं किमस्ति?
viii.सर्वदमनस्य मणिबन्धे किम् आबद्धम् आसीत्?

निर्देश–प्रश्नसंख्या 6–9 पर्यन्तं रेखांकितपदमाधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–
6.न **भोगभवने** रमणीयम्। 1
7.**काको** न गरुडायते। 1
8.**हिमालयाद्** समारभ्य इन्दुसरोवरं यावत्। 1
9.**परोपकाराय** सतां विभूतयः। 1
10.प्रश्नपत्रादतिरिच्य स्वपाठ्यपुस्तकात् श्लोकद्वयं लिखत।
11.अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा एतदाधारित–प्रश्नानाम् उत्तराणि यथानिर्देशं लिखत– 3

संस्कृतभाषायाः वैज्ञानिकतां विचार्य एव संगणक–विशेषज्ञाः कथयन्ति यत् संस्कृतम् एव संगणकस्य कृते सर्वोत्तमा भाषा विद्यते। अस्याः वांग्मयं वेदैः पुराणैः नीतिशास्त्रैः चिकित्साशास्त्रादिभिश्च समृद्धमस्ति। कालिदाससदृशानां विश्वकवीनां काव्यसौन्दर्यम् अनुपमम्। चाणक्यरचितम् अर्थशास्त्रं जगति प्रसिद्धमस्ति। गणितशास्त्रे शून्यस्य प्रतिपादनं सर्वप्रथमं भास्कराचार्यः सिद्धान्तशिरोमणौ अकरोत्। चिकित्साशास्त्रे चरकसुश्रुतयोः योगदानं विश्वप्रसिद्धम्। भारतसर्वकारस्य विभिन्नेषु विभागेषु संस्कृतस्य सूक्तयः ध्येयवाक्यरूपेण स्वीकृताः सन्ति। यथा भारतसर्वकारस्य राजचिह्ने प्रयुक्ता सूक्तिः वर्तते–सत्यमेव जयते।

क. अस्य गद्यांशस्य समुचितं शीर्षकं लिखत। 1
ख. यथानिर्देशं प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत– 5

i.शून्यस्य प्रतिपादनं सर्वप्रथमं भास्कराचार्यः कुत्र अकरोत्?
ii.कस्य कृते संस्कृतभाषा सर्वोत्तमा भाषा विद्यते?
iii.अर्थशास्त्रं केन रचितम्?
iv.भारतसर्वकारस्य राजचिह्ने प्रयुक्ता सूक्तिः वर्तत?
v.कीदृशानां विश्वकवीनां काव्यसौन्दर्यम् अनुपमम्?

ग.यथानिर्देशं प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत– 4

i.सर्वोत्तमा भाषा विद्यते–अत्र विशेषणपदं किम्?
ii.संगणक–विशेषज्ञाः कथयन्ति–अत्र कर्तृपदं किम्?

iii.अविचार्य–इत्यस्य विलोमपदं गद्यांशात् चित्वा लिखत।
iv.सूक्तयः ध्येयवाक्यरूपेण स्वीकृताः सन्ति–इत्यत्र क्रियापदं लिखत।

12.अधोलिखितपदयोः सन्धिविच्छेदं कृत्वा सन्धेः नामापि लिखत– 2
i. नेच्छामि ii.धन्योऽसि
13.अधोलिखितपदयोः सन्धि कृत्वा सन्धेः नामापि लिखत– 2
i. अत्र+एव ii.सर्पः+तेन
14.अधोलिखितरेखांकितपदेषु समस्तपदानां विग्रहम् अथवा विग्रहपदानां समासः कृत्वा समासस्य नामापि लिखत– 3
i.रामः **प्रियदर्शनः**अस्ति।
ii.रमा**प्रतिदिनं**विद्यालयं गच्छति।
iii.**शिवश्च केशवश्च** द्वावेव पूजनीयौ।
15.अधोलिखितरेखांकितपदेषु विभक्तिं तत् कारणं च लिखत– 3
i.**गणेशाय** स्वस्ति।
ii.साधुः **शिरसा** खल्वाटः विद्यते।
iii.**राजमार्गम्** अभितः वृक्षाः सन्ति।
16.कोष्ठकेषु प्रदत्तप्रकृतिप्रत्ययानुसारं शब्द–निर्माणं कृत्वा रिक्तस्थानानि पूरयित्वा लिखत– 2
i.रामेण पुस्तकं (पठ्+तव्यत्)
ii.सा कन्या (गुण+मतुप्)
17.अधोलिखिवाक्ययोः रेखांकितपदेषु प्रकृतिं प्रत्ययं च पृथक् कृत्वा लिखत– 2
i.तस्य **कवित्वम्** प्रसिद्धम्
ii.सा**चटका** कुत्र गता।
18.मंजूषायां प्रदत्तैः अव्ययपदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा लिखत– 3

| विना सह यदा अधुना |
|---|

i.अहं त्वां .....न गमिष्यामि।
ii.सीतया.....रामः गच्छति।
iii.....त्वं गमिष्यसि तदैव अहं गमिष्यामि।
प्रश्नसंख्या 19–21 पर्यन्तम् अधोलिखितावाक्यानां वाच्यपरिवर्तनं कृत्वा लिखत–
19.भवान् पठति। 1
20.मया कथा पठ्यते।1
21.त्वं पठसि। 1
22.घटिकाचित्रस्य सहायतया अंकानां स्थाने संस्कृतशब्देषु समयलेखनं करणीयम्। (रिक्तस्थाने)2

i.अनुपमा .....मन्दिरं गच्छति।

ii.वन्दना.....स्वप्नं पश्यति।

23.अधोलिखितं वाक्यत्रयं शुद्धं कृत्वा लिखत– 3

i.सः छात्रा अस्ति।

ii.धनस्य विना कुतः सुखम्।

iii.मीनाक्षी श्वः विद्यालयं गच्छति।

24.भवान् राजकीय–उच्च–माध्यमिक–विद्यालय–बारांनगरस्य कमलेशः अस्ति। स्थानान्तरण–प्रमाण–पत्रं प्राप्तुं स्वविद्यालयस्य प्रधानाचार्याय प्रार्थनापत्रं लिखत– 1/2X8=4

अथवा

भवती हर्षिता। भवती छात्रावासे। पुस्तकानि केतुं धनप्रेषणार्थं पितरं प्रति पत्रं मंजूषायाः सहायतया लिखत–

| |
|---|
| प्रणामाः, धनादेशद्वारा, छात्रावासतः, चिराद्, पूज्यपितृचरणेषु, पुस्तकानि, हर्षिता, स्नेहवचनानि |

.....

दिनांकः–02/03/2019

.....

सादरं.....

अत्र अहं स्वस्था अस्मि।.....भवतां कृपापत्रं न प्राप्तम्। चिन्तिता अस्मि। अत्र मम समीपं धनाभावः वर्तते। पठनाय.....केतव्यानि। अतः द्विशतरूप्यकाणि ..... शीघ्रमेव प्रेषणयानि। मातृचरनणेषु प्रणतिः। इन्द्रजीताय .....दद्यात् भवान्।

भवतः पुत्री

.....

25.मंजूषातः उपयुक्तपदानि गृहीत्वा जयपुरभ्रमणाय इति विषये संवादं पूरयतु– 1/2X8=4

| |
|---|
| मित्रैः, जयपुरं, कार्यक्रमः, श्वः, दर्शनीयम्, , द्रक्ष्यामः, तत्रापि, किमपि |

i.मनोहरः–सत्यनारायण! .....भवान् कुत्र गमिष्यसि?

ii.सत्यनारायणः–अहं.....गमिष्यामि।

iii.मनोहरः–तत्र ..... कार्यं वर्तते?

iv.सत्यनारायणः–कार्यं नास्ति। अहं तु .....सह भ्रमणार्थं गच्छामि।

v.मनोहरः–जयपुरे कुत्र–कुत्र भ्रमणस्य.....वर्तते?

vi.सत्यनारायणः–वयं तत्र आमेरदुर्गं गोविन्ददेवमन्दिरं च .....।

vii.मनोहरः–तत्र नाहरगढस्थलम् अपि .....।

viii.सत्यनारायणः–यदि समयः अवशिष्टः भविष्यति तर्हि.....गमिष्यामः।

26.अधोलिखितेषु वाक्येषु केषांचन चतुर्णां वाक्यानां संस्कृतभाषायाम् अनुवादं लिखत– 1X4=4

i.गिरिराज विद्यालय नहीं जाता है।

ii.कविता भोजन करती है।

iii.अजित के साथ कौन आ रहा है।

iv.सुरेन्द्र कलम से लिखता है।

v.मोहन पैर से लंगडा है।

vi.वह मेरे गुरु हैं।

27.अधः चित्रं दृष्ट्वा मंजूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया षट् वाक्यानि निर्माय लिखत–1/2X6=3

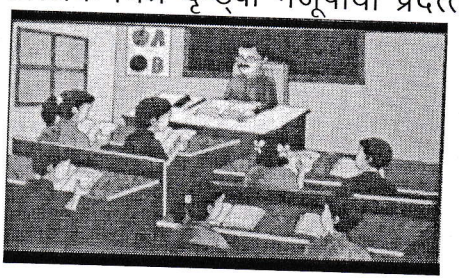

| श्यामपट्टः, अध्यापकः, बालकाः, चित्रम्, पुस्तकेषु, विज्ञानविषयं |
|---|

अथवा

अधोलिखितम् अनुच्छेदं मंजूषायां रिक्तस्थानाानि पूरयित्वा लिखत–

| दुःखानि, महान्, परोपकारः, उपकारः, सुखं, भोजनं |
|---|

i.परेषाम्.....परोपकारः कथ्यते।

ii.यदा मानवः परेषां हितं करोति, सः एव..... कथ्यते।

iii.परोपकारः.....गुणः अस्ति।

iv.परोपकारेण एव .....भवति।

v.परोपकारिणः जनाः निर्धनेभ्यः धनं,.....वस्त्राणि च यच्छन्ति।

vi.परोपकारिणः जनाः दुःखितानां .....दूरीकुर्वन्ति।

28.अधोलिखितवाक्यानि क्रमरहितानि सन्ति। यथाक्रमं संयोजनं कृत्वा लिखत–(कथादृष्ट्या)
1/2X6=3

i.तदा तस्य मुखस्य रोटिका अपि जले पतति।

ii.एकदा कश्चित् कुक्कुरः एकां रोटिकां प्राप्नोत्।

iii.तदा सः नदीजले स्वप्रतिबिम्बम् अपश्यत्।

iv.सः कुक्कुरः रोटिकां प्राप्तुं तेन सह युद्धार्थं मुखम् उद्घाटयति।

v.स्वप्रतिबिम्बम् अन्यः कुक्कुरः इति मत्वा सः तस्य रोटिकां प्राप्तुम् अचिन्तयत्।

vi.अत एव कथ्यते लोभः न करणीयः।

**'लक्ष्य 2019'**

**प्री बोर्ड परीक्षा कोटा संभाग कोटा**

कक्षा–12 विषय–हिन्दी साहित्य

समय–3.15घण्टे पूर्णांकः–80

परीक्षार्थियो के लिए सामान्य निर्देश :–

01 परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

02 सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है।

03 प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

04 उत्तर यथा सम्भव निर्धारित शब्द सीमा में ही सुपाठ्य लिखें।

---

खण्ड–1

प्रश्न–1 हिन्दी साहित्य के विकास में शुक्ल युग का क्या योगदान रहा ? बताइए।
(उत्तर सीमा–80 शब्द) 4

प्रश्न–2 हिन्दी नाट्क के विकास में भारतेन्दु युग के योगदान पर प्रकाश डालिए।

(उत्तर सीमा–80 शब्द) 4

प्रश्न–3 रिपोतार्ज व डायरी को परिभाषित करते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए।

(उत्तर सीमा–80 शब्द) 4

प्रश्न–4 द्विवेदी युगीन काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ या प्रवृतियॉ लिखिए।

(उत्तर सीमा–80 शब्द) 4

खण्ड–2

प्रश्न–5 माधुर्यगुणका एक उदाहरणदीजिए। (उत्तर सीमा–10 शब्द) 1

प्रश्न–6 न्यूनपदत्व दोष कहॉ होता है? (उत्तर सीमा–10 शब्द) 1

प्रश्न–7यतिगति और तुक किन्हें कहते है? स्पष्ट कीजिए (उत्तर सीमा–60 शब्द) 3

प्रश्न–8द्रुतविलम्बित छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(उत्तर सीमा–60 शब्द) 3

प्रश्न–9 काव्य में अलंकारों का महत्व स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा–80 शब्द) 4

प्रश्न–10 प्रतीप अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। व्यतिरेक व प्रतीप अलंकांर में अंतर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा–80 शब्द) 4

खण्ड–3

प्रश्न–11 निम्नांकित गधांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 शब्दों में कीजिए। (3)

भारतीय संस्कृति में जिन–जिन वस्तुओं को महत्ता दी गई है,वे सब श्रीमद्भगवद् गीता में भगवान की विभूतियों के रूप में आ गई हैं। भगवान बुद्व को अश्वत्थ वृक्ष के ही नीचे बुद्वत्व प्राप्त हुआ था। स्थावर वस्तुओं में हिमालय को, सरिताओं में गंगा को, पक्षियों में गरूड़ को तथा ऋतुओं में बसन्त ऋतु को महत्ता दी गई है। स्त्रीलिंग चीजों में कीर्ति, वाणी स्मृति, बुद्वि और घृति (धैर्य) को महत्ता दी गई है। यह भी हमारी जातीय मनोवृति का परिचायक है।

अथवा

अर्थशास्त्र संस्कारो के सीने पर चढ़ कर गला दबा रहा है। इधर एक लडके ने लड़की को उसकी इच्छा से भगाकर ' सरकारी शादी' कर ली। लड़का योग्य, सुन्दर और अच्छी नौकरी वाला। पहले लड़की की मॉ के संस्कारो ने जोर मारा और उसने हाय–तौबा मचाया। अर्थशास्त्र से यह बरदाश्त नहीं हुआ। उसने संस्कारों को एक पटकनी दी। मॉ ने सोचा, यह जो 15 हजार दहेज के लिए रखे थे, साफ बचे। फिर 15 हजार में भी इतना अच्छा लड़का नहीं मिलता। उन्होंने कार्ड बॉट कर दावत दे दी।

प्रश्न–12 निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 शब्दों में कीजिए (3)

अति सूधो सनेह को मारग है, जहॉ ने कुसयानपबॉक नहीं।

तहॉ सॉचे चलें तजि आप नपौ, झिझके कपटी जेनिसॉक नहीं।।

घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ, यहॉ एक ते दूसरो ऑक नही।

तुम कौन धौंपाटी पढ़े हो कहौ, मन लेह ुपैदेहु छटॉक नहीं।।

अथवा

दबे हुए आवेग वहॉ यदि ;उबल किसी दिन फूटें,; संयम छोड़, काल बन मानव ;अन्यायी पर टूटें ;

कहो कौन दायी होगा;उस दारूण जग दहन का;अंहकार या घृणा? कौन;दोषी होगा उस रण का?

प्रश्न–13 ' पाजेब ' कहानी में बाल–मनोविज्ञान का सजीव परिचय मिलता है। इस कथन पर प्रकाश डालिए। (उत्तर सीमा–80 शब्द) 4

अथवा

'' इसने तो वही चुराया है, तुम देवस्थान लूट आये''। इस कथन में लेखक की मनःस्थिति पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्रश्न–14 बसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है? 'सेनापति की पठित कविता के आधार पर बताइए। (उत्तर सीमा–80 शब्द) 4

अथवा

कवि ने भारत वर्ष को भू–लोक का गौरव क्यों कहा है? ' भारत की श्रेष्ठता' कविता के आधार पर बताइए।

प्रश्न–15 '' वह सोने का संसार था।'' मिठाई वाले का सोने का संसार क्या था? वह कैसे नष्ट हो गया था ? कहानी के आधार पर बताइये। (उत्तर सीमा–60 शब्द) 3

प्रश्न–16 '' आज के पुरूष का पुरूषार्थ विलाप है।'' 'अलोपी' संस्मरण में लेखिका ने किस आशय से ऐसा कहा है? बताइये। (उत्तर सीमा–60 शब्द) 3

प्रश्न–17 पद्माकर के काव्य की विशेषताएँ बताइये। (उत्तर सीमा–60 शब्द) 3

प्रश्न–18 '' ज्ञान प्रकासा गुरू मिला, सो जिनि बीस रिंजाइ।

जब गोविन्द कृपा करी, तब गुरू मिलिया आइ।''

कबीर दास जी के इस दोहे का काव्य सौन्दर्य लिखिए। (उत्तर सीमा–60 शब्द) 3

प्रश्न–19 कवि घनानन्द अथवा लेखिका महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर टिप्पणी लिखिए। (उत्तर सीमा–40 शब्द) 2

प्रश्न–20 भक्ति आंदोलन के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए। (उत्तर सीमा–40 शब्द) 2

प्रश्न–21 कवि लोगों को मृत क्यों मान रहा है ? 'पेशोलो की प्रतिध्वनि' के आधार पर बताइए । (उत्तर सीमा–40 शब्द) 2

खण्ड–4

प्रश्न–22 लेखक ने ' राष्ट्रीयता की कुंजी' किसे माना और क्यों ? 'राष्ट्र का स्वरूप' अध्याय के आधार पर बताइये। (उत्तर सीमा–80 शब्द) 4

अथवा

सेल्यूलर जेल को लेखक ने पावन मन्दिर क्यों कहा है?

प्रश्न–23 नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने भारत की पूर्ण स्वतंत्रता की घोषणा कब और कहॉ की थी? (उत्तर सीमा–60 शब्द) 3

प्रश्न–24 प्रकृति के प्रति डॉ0 राम कुमार वर्मा के विचार लिखिए। (उत्तर सीमा–60 शब्द) 3

प्रश्न–25 'भोर का तारा' के नायक शेखर के चरित्र की किसी एक विशेषता पर प्रकाश डालिए। (उत्तर सीमा–60 शब्द) 3

प्रश्न–26 ' गेहूँ बनाम गुलाब' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने दूषित मानसिकता वालों को क्या संज्ञा दी है और क्यों? (उत्तर सीमा–60 शब्द) 3